ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, U.P. (India)

संख्या 576/भविवि/कुसका/2022
दिनांक : 18 मई, 2022

कार्यालय–आदेश

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उ0प्र0 शासन लखनऊ के पत्र संख्या–1077/सत्तर–3–2021–08(20)/2020, दिनांक 25 अप्रैल, 2022 के बिन्दु–(2) में दिये गये निर्देशानुसार लैंगिक समानता एवं स्वास्थ्यवर्धन हेतु छात्राओं के परामर्श सुनकर परामर्श दिये जाने हेतु मा0 कुलपति जी द्वारा डॉ0 नलिनी मिश्र, प्रभारी–महिला अध्ययन केन्द्र को अधिकृत किया जाता है।

(संजय कुमार)
कुलसचिव।

पृष्ठांकन संख्या एवं दिनांक : उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. मा0 कुलपति जी।
2. समस्त आचार्य/सह आचार्य/सहायक आचार्य।
3. वेब एडमिनिस्ट्रेटर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जाने हेतु।

कुलसचिव।

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی-فارسی یونیورسٹی لکھنؤ

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ
Khwaja Moinuddin Chishti Urdu, Arabi-Farsi University, Lucknow

संख्या: 1333 /उआफाविवि/कुसका/435/2018
दिनांक : 05 दिसम्बर, 2018

कार्यालय–आदेश

विश्वविद्यालय के पत्रांक संख्या–924/उआफाविवि/कुसका/235/18 दिनांक 06–08–2018 द्वारा माननीय कुलपति महोदय द्वारा यू0जी0सी0 द्वारा अधिसूचित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों के लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार) विनियम–2015 के क्रियान्वयन हेतु विनियम की धारा–4 के अनुसार **इन्टरनल कम्प्लेन्ट्स कमेटी (आई0सी0सी0)** का गठन किया गया था :–

क्रम	पदाधिकारी	नाम
1.	पीठासीन अधिकारी	डॉ0 तनवीर खदीजा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग।
2.	02 सदस्य (शिक्षकों से)	1. डॉ0 नीरज शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग। 2. डॉ0 प्रियंका, असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग।
3.	02 सदस्य (शिक्षणेत्तर कर्मी)	श्री शबीह हैदर, सहायक लेखाकार।
4.	03 सदस्य विद्यार्थी (यदि प्रकरण विद्यार्थियों से सम्बन्धित हो)	1. श्री अभिषेक वर्मा, बी0सी0ए0 2. सुश्री बीनिश कलीम, बी0ए0 (आनर्स) 3. सुश्री फातिमा जेहरा, बी0ए0 (आनर्स)
5.	01 सदस्य (गैर सरकारी संगठन से)	डॉ0 जकिया रिजवी, अध्यक्ष, अवध ग्रामीण कृषक सेवा उत्थान समिति, लखनऊ।

उपरोक्त आदेश द्वारा पदाधिकारियों का कार्यकाल 03 वर्ष का किया गया है।

2– उक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय कुलपति महोदय द्वारा उपरोक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए इन्टरनल कम्प्लेन्ट्स कमेटी (आई0सी0सी0) का नाम परिवर्तित कर **महिला शिकायत, निवारण प्रकोष्ठ (Women's Grievance Redressal Cell)** किया गया है।

3– कृपया उपरोक्त सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

05/12/18
(शत्रोहन वैश्य)
कुल सचिव।

पृष्ठांकन संख्या व दिनांक : उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. निजी सचिव कुलपति जी को मा0 कुलपति महोदय के सूचनार्थ।
2. निजी सचिव वित्त अधिकारी को वित्त अधिकारी जी के सूचनार्थ।
3. समस्त माननीय सदस्य/समस्त प्राध्यापक।
4. उप कुलसचिव।
5. कुलानुशासक/सहायक कुलानुशासक।
6. वेब मास्टर/गार्ड फाइल।

05/12/18
(शत्रोहन वैश्य)
कुल सचिव।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, U.P. (India)
U.P. STATE GOVERNMENT UNIVERSITY,
(Recognised Under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956 & B.Tech. Approved by (AICTE)

अमर उजाला my city लखनऊ सिटी

काउंसिलिंग सेल में हर समस्या का समाधान

कोरोना काल में भाषा विवि में विधिक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श समिति ने छात्रों और उनके परिवार को दी मानसिक मजबूती

केस-1 कोरोना के कारण जॉब चली गई तो पिता, मां को पीटते थे। छात्र को भी पढ़ाई छोड़कर काम करने के लिए दबाव बनाते थे। समिति के दो सदस्य उनके घर गए और अभिभावक से बात की। उनको जॉब के विकल्प बताए और स्टूडेंट को भी पढ़ाई के साथ कमाई के तरीके बताए। अब दोनों मिलकर घर का खर्च भी निकाल रहे हैं और छात्र की पढ़ाई भी चल रही है।

केस-2 एक छात्रा कोरोना के कारण लगातार जा रही जॉब की वजह से डिप्रेशन में आ गई कि पढ़ाई करके क्या करेंगे। वह क्लास छोड़कर घर बैठ गई। घर वाले भी उससे संतुष्ट थे। समिति के सदस्य उसके घर गए और उसकी काउंसिलिंग की। दोबारा से वह क्लास में आई और अभी एमबीए भी ज्वाइन किया। हाल में उसको पूर्ण पूरा होने के बाद जॉब भी ऑफर हुई है।

केस-3 एक छात्रा की पढ़ाई पूरी होने के बाद शादी हुई। पर ससुराल वाले उससे गलत व्यवहार करने लगे। उसने समिति के पोर्टल पर शिकायत की। समिति के सदस्यों ने उससे बात की और विधिक सलाह देकर सहयोग किया। इसके बाद उसके यहां स्थिति थोड़ी ठीक हुई। फिर समिति ने प्रयास कर उसकी जॉब भी लगवाने का काम किया।

अक्षय कुमार

लखनऊ। ये कुछ उदाहरण हैं ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विधिक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श समिति के कार्यों व प्रयासों के। विवि में यह समिति बनाकर इसके सदस्यों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए गए थे। इसका उद्देश्य कोरोना काल में विद्यार्थियों की पढ़ाई में आ रही दिक्कतों को दूर करना और उन्हें डिप्रेशन से बचाना है।

समिति के सदस्यों ने इस काम को न सिर्फ बखूबी निभाया बल्कि जरूरत पर विद्यार्थियों के घर तक गए। उनके अभिभावकों से बात की और आवश्यकतानुसार जॉब दिलाने में भी सहयोग किया। खास बात यह कि यह समिति अभी भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रही है। इस समिति में एनएसएस समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तनु डंग व सांस्कृतिक समिति की डॉ. प्रियंका सूर्यवंशी और शान-ए-फातिमा शामिल हैं।

डॉ. तनु ने बताया कि विवि का यह प्रयास विद्यार्थियों के लिए काफी सहयोगी रहा है। कई बार हम जरूरत पड़ने पर स्टूडेंट्स के घर भी गए। उनके अभिभावकों से मिले और उनको समझाया। आज वो रोजगार में लगे हैं और उनके बच्चे पढ़ाई कर पा रहे हैं। कुछ स्टूडेंट्स की पढ़ाई पूरी करने में व्यक्तिगत रूप से आर्थिक सहयोग भी किया गया और हालात सामान्य होने पर उन्होंने पैसा लौटाया है। कोरोना में तो एक दिन में 10-10 कॉल समिति के हर सदस्य के पास आती थी। स्टूडेंट्स अपने भविष्य और कैरिअर को लेकर काफी चिंतित थे। अब चीजें काफी सामान्य हुई हैं। अभी भी विद्यार्थियों को विषय या किसी अन्य तरह की दिक्कत होती है तो वे हमसे संपर्क कर रहे हैं।

भाषा विवि में छात्राओं की काउंसिलिंग करतीं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तनु डंग।

KMCLU sets up psychological counselling helpdesk

Lucknow (PNS): A psychological counseling and assistance helpdesk was inaugurated at Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU) by Vice-Chancellor Prof Anil Kumar Shukla on Friday. The helpdesk has been set up to support the students in handling stress caused by the prevalent Covid situation.

Registrar Ashok Kumar Arvind said that coordinator of National Service Scheme (NSS) Dr Neeraj Shukla and media incharge Dr Tanu Dang are the counsellors for this helpdesk. They will be available on phone for consultation of the students for two hours everyday. Their mobile numbers have also been made available to students through the WhatsApp group and website.

Last year too, a psychological and legal advisory committee was formed by the language university to help the students deal with stress and both these teachers were the advisors.

Meanwhile, KMCLU also organised a lecture on the Role of social media during Covid-19. The lecture was organised by the department of Journalism and Mass Communication.

मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सहायता हेल्पडेस्क का उद्घाटन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में आज दिनांक 30.04.2021 को कुलपति प्रो अनिल कुमार शुक्ला द्वारा एक मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सहायता हेल्पडेस्क का उद्घाटन किया गया। कोविड-19 में निरंतर हो रही वृद्धि के कारण विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव के दृष्टिगत इस हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है।

विश्वविद्यालय कुलसचिव, अशोक कुमार अरविंद ने बताया कि इस हेल्प डेस्क के लिए डॉ नीरज शुक्ल, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं डॉ तनु डंग मीडिया प्रभारी को परामर्शदाता नामित किया गया है। यह प्रतिदिन 2 घंटे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के परामर्श के लिए फोन पर उपलब्ध रहेंगे। विश्वविद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप एवं वेबसाइट द्वारा इनके मोबाइल नंबर भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दिए गए हैं। पिछले वर्ष भी कोविड-19 के चलते विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक मनोवैज्ञानिक एवं विधिक सलाह समिति का गठन किया गया था जिसमें यह दोनों शिक्षक सलाहकार थे।

भाषा विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान का हुआ आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आज दिनांक 30.04 2021 को कोविड-19 के दौर में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में द प्रिंट के राज्य संवाददाता, प्रशांत श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने सोशल मीडिया के बदलते स्वरूप का व्याख्यान करते हुए विद्यार्थियों को मिस इंफॉर्मेशन से बचने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाले सभी तथ्यों को फॉरवर्ड करने से पहले विद्यार्थियों को स्वयं निरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा की खबरों के विभिन्न दृष्टिकोण को समझने के लिए जानकारी के अलग-अलग स्रोतों का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर में सोशल मीडिया पर उपलब्ध नकारात्मक जानकारी को कम करने के लिए विद्यार्थियों को स्वयं सकारात्मक लेखन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ रुचिता सुजॉय चौधरी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ तनु डंग द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में डॉ काजिम रिज़वी, डॉ शचिंद्र शेखर एवं अब्राहिम मेराज के साथ-साथ विभाग के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कोविड-19 के दौर में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर वेबिनार का आयोजन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में शुक्रवार को कोविड-19 के दौर में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में द प्रिंट के राज्य संवाददाता, प्रशांत श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने सोशल मीडिया के बदलते स्वरूप का व्याख्यान करते हुए विद्यार्थियों को मिस इंफॉर्मेशन से बचने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाले सभी तथ्यों को फॉरवर्ड करने से पहले विद्यार्थियों को स्वयं निरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा की खबरों के विभिन्न दृष्टिकोण को समझने के लिए जानकारी के अलग-अलग स्रोतों का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर में सोशल मीडिया पर उपलब्ध नकारात्मक जानकारी को कम करने के लिए विद्यार्थियों को स्वयं सकारात्मक लेखन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ रुचिता सुजॉय चौधरी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ तनु डंग द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में डॉ काजिम रिजवी, डॉ शचिंद्र शेखर एवं अब्राहिम मेराज के साथ-साथ विभाग के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

मनोवैज्ञानिक परामर्श व सहायता हेल्पडेस्क का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में शुक्रवार को कुलपति प्रो अनिल कुमार शुक्ला द्वारा एक मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सहायता हेल्पडेस्क का उद्घाटन किया गया । कोविड-19 में निरंतर हो रही वृद्धि के कारण विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव के दृष्टिगत इस हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय कुलसचिव, अशोक कुमार अरविंद ने बताया कि इस हेल्प डेस्क के लिए डॉ नीरज शुक्ल, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं डॉ तनु डंग मीडिया प्रभारी को परामर्शदाता नामित किया गया है। यह प्रतिदिन 2 घंटे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के परामर्श के लिए फोन पर उपलब्ध रहेंगे। विश्वविद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप एवं वेबसाइट द्वारा इनके मोबाइल नंबर भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दिए गए हैं। पिछले वर्ष भी कोविड-19 के चलते विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक मनोवैज्ञानिक एवं विधिक सलाह समिति का गठन किया गया था जिसमें यह दोनों शिक्षक सलाहकार थे।